

चावल के लिये न्यूनतम नरियात मूल्य

प्रलिस के लिये:

चावल के लिये न्यूनतम नरियात मूल्य, कृषि, [नरियात](#), [खाद्य मद्रासफीता](#)

मेन्स के लिये:

चावल के लिये न्यूनतम नरियात मूल्य

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार, भारत में वर्ष 2022 में चावल और गेहूँ दोनों का उत्पादन अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुँच गया है, फरि भी कृषि क्षेत्र में [नरियात प्रतबिंधों तथा व्यापार नयित्रण](#) के रूप में [सप्लाई साइड एक्शन](#) (सरकार द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं की उपलब्धता या सामर्थ्य बढ़ाने के लिये किये गए उपाय) में वृद्धिका अनुभव कयिा गया है।

- सरकार ने घरेलू कीमतों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से बासमती चावल शपिमेंट पर 1,200 अमेरिकी डॉलर प्रतटिन कन्यूनतम नरियात मूल्य (Minimum Export Price- MEP) नरिधारति कयिा है।

चावल-गेहूँ के नरियात पर अंकुश लगाने को सरकार द्वारा कयिे गए हालयिा उपाय:

- मई 2022 में सरकार ने गेहूँ के नरियात पर प्रतबिंध लगा दयिा।
- दूटे हुए चावल के नरियात पर भी प्रतबिंध लगा दयिा गया तथा सतिंबर 2022 में सभी सफेद (गैर-उबला हुआ) गैर-बासमती चावल के शपिमेंट पर 20% शुल्क लगाया।
- जुलाई 2023 में सरकार ने सफेद गैर-बासमती चावल के नरियात पर प्रतबिंध लगा दयिा, केवल उबले हुए गैर-बासमती तथा बासमती चावल के नरियात की अनुमति दी।
- अगस्त 2023 में सभी उबले हुए गैर-बासमती चावल के नरियात पर "तत्काल प्रभाव से" 20% शुल्क लगाया गया था। इस प्रकार के चावल के नरियात पर अंकुश लगाने के लिये यह शुल्क लागू कयिा गया था।
- अगस्त 2023 में सरकार ने [कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद नरियात वकिस प्राधकिरण \(Agricultural & Processed Food Products Exports Development Authority- APEDA\)](#) को 1200 अमेरिकी डॉलर प्रतटिन तथा उससे अधिक मूल्य के बासमती चावल नरियात के लिये अनुबंधों को पंजीकरण-सह-आवंटन प्रमाण पत्र (आरसीएसी) जारी करने का नरिदेश दयिा।
 - यह MEP बासमती चावल के नाम पर सफेद गैर-बासमती चावल के संभावति अवैध नरियात को रोकने के लिये लगाया गया था।

चावल और गेहूँ का उत्पादन:

- चावल उत्पादन:**
 - चावल का उत्पादन वर्ष 2020-21 के 124.37 मिलियन टन (mt) से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 129.47 mt हो गया, जो वर्ष 2022-23 में 135.54 mt तक पहुँच गया।
 - हालाँकि सरकार ने विपरीत प्रभाव के कारण चावल पर नरियात प्रतबिंध लगा दयिा।
 - इन उपायों में दूटे हुए चावल के [नरियात](#) पर प्रतबिंध तथा सफेद गैर-बासमती शपिमेंट पर 20% शुल्क लगाना शामिल है।
- वविधि/वृहत्त गेहूँ उत्पादन:**
 - गेहूँ का उत्पादन शुरु में 109.59 मिलियन टन से गरिकर 107.74 मिलियन टन हो गया जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 112.74 मिलियन टन हो गया।
 - सरकार ने गेहूँ के नरियात पर भी प्रतबिंध लगा दयिा, जो घरेलू मांग को प्रबंधति करने के उसके इरादे को दर्शाता है।

नरियात प्रतर्बिंधों को प्रभावति करने वाले कारक:

- रकिर्रड उत्पादन के बावजूद खुदरा **खाद्य मुद्रासफीति** तथा खुले बाजार की कीमतें बढ़ी हैं।
- खुदरा चावल और गेहूँ की कीमतों में अत्यधिक वृद्धि हुई, जिससे सरकार को घरेलू कीमतों को स्थरि करने के लिये हस्तक्षेप करना पड़ा।
- सरकार के उपायों का उद्देश्य घरेलू अनाज की उपलब्धता बढ़ाने और बढ़ती खाद्य मुद्रासफीति को कम करने के लिये नरियात को कम करना अथवा रोकना है।
- बढ़ती मांग, थाईलैंड जैसे प्रमुख उत्पादकों के उत्पादन में व्यवधान और **El Nino** के संभावति प्रतर्कूल प्रभावों की आशंकाओं के कारण अगस्त 2023 में एशियाई चावल की कीमतें लगभग 15 साल के उच्चतम स्तर पर पहुँच गईं।

नरियात नयितरण की चुनौतियाँ एवं प्रभाव:

- चावल पर लगाए गए चयनात्मक नयितरण जैसे कि गलत वर्गीकरण के माध्यम से चोरी होने की संभावना है।
 - उदाहरण हेतु सफेद गैर-बासमती चावल का नरियात उबले हुए चावल और बासमती चावल के कोड के तहत कथिा जाता था।
- नरियात प्रतर्बिंधों के बावजूद खुले बाजार में कीमतें ऊँची रहीं, जिससे पता चलता है कि इन उपायों से कीमतों में कोई अपेक्षति गरिवट नहीं आई।

नरियात को सुव्यवस्थति और कीमतों को स्थरि करने हेतु उठाए जाने वाले कदम:

- वशिषज्ज सभी प्रकार के चावल के लिये एक समान MEP लागू करने का सुझाव देते हैं, चाहे वह बासमती हो, आंशकि रूप से उबला हुआ (Parboiled) हो, अथवा गैर-बासमती हो। यह दृष्टिकोण नरियात को सुव्यवस्थति करने तथा कीमतों को स्थरि करने में मदद कर सकता है।
 - MEP कुछ नरियात योग्य वस्तुओं अथवा उत्पादों पर सरकार द्वारा नरिधारति मूल्य सीमा या न्यूनतम मूल्य है। यह वह न्यूनतम कीमत है जिस पर इन वस्तुओं को देश से नरियात कथिा जा सकता है।
- 800 अमेरिकी डॉलर प्रतर् टिन जैसे उचित स्तर पर नरिधारति एक समान MEP, **वभिनिन अधमूल्य चावल कस्मिों** के नरियात को प्रोत्साहति कर सकती है, जिससे उत्पादकों और घरेलू खाद्य सुरक्षा को बनाए रखने के सरकार के लक्ष्य दोनों को लाभ होगा।

चावल और गेहूँ संबंधी प्रमुख बदि:

- चावल:**
 - चावल भारत की अधकिंश आबादी का मुख्य भोजन है।
 - यह एक खरीफ फसल है जिसके लिये उच्च तापमान (25°C से ऊपर) और उच्च आर्द्रता के साथ 100 cm से अधिक वार्षकि वर्षा की आवश्यकता होती है।
 - कम वर्षा वाले कषेत्रों में इसे सचिाई की सहायता से उगाया जाता है।
 - दक्षिणी राज्यों और पश्चिमी बंगाल में जलवायु परस्थितियों के कारण एक कृषि वर्ष में चावल की दो या तीन फसलें उगाई जाती हैं।
 - पश्चिमी बंगाल में कसिान चावल की तीन फसलें उगाते हैं जनिहें 'औस', 'अमन' और 'बोरो' कहा जाता है।
 - भारत में कुल फसली कषेत्र का लगभग एक-चौथाई कषेत्र चावल की खेती में इस्तेमाल होता है।
 - अग्रणी उत्पादक राज्य:** पश्चिमी बंगाल, उत्तर प्रदेश और पंजाब।
 - उच्च उपज वाले राज्य:** पंजाब, तमलिनाडु, हरयिणा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिमी बंगाल और केरल।
 - चीन के बाद भारत चावल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
- गेहूँ:**
 - चावल के बाद यह भारत में दूसरी सबसे प्रमुख अनाज की फसल है।
 - यह देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिमी भाग में मुख्य खाद्य फसल है। गेहूँ एक रबी फसल है जिसे पकने के समय ठंडे मौसम तथा तेज़ धूप की आवश्यकता होती है।
 - हरति क्रांति की सफलता ने रबी फसलों, वशिषकर गेहूँ की वृद्धि में योगदान दिया।
 - मैक्रो मैनेजमेंट मोड ऑफ एग्रीकल्चर, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना गेहूँ की खेती को समर्थन देने वाली कुछ सरकारी पहल हैं।
 - तापमान:** तेज़ धूप के साथ 10-15°C (बुवाई के समय) और 21-26°C (पकने और कटाई के समय) के बीच होना चाहयि। **वर्षा:** लगभग 75-100 cm होनी चाहयि।
 - मृदा के प्रकार:** अच्छी तरह से सूखी उपजाऊ दोमट और चकिनी दोमट (दककन के गंगा-सतलुज मैदान और काली मृदा कषेत्र) मृदा।
 - मुख्य गेहूँ उत्पादक राज्य:** उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरयिणा, राजस्थान, बिहार, गुजरात।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा देश पछिले पाँच वर्षों के दौरान वशि्व में चावल का सबसे बड़ा नरियातक रहा है? (2019)

- चीन
- भारत
- म्याँमार

(d) वयितनाड

उतर: (b)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/minimum-export-price-for-rice>

